सेप्सिस ग्रसित नवजात शिशुओं हेतु अवलोकन अध्ययन की शुरुआत करने के लिए नयी दिल्ली में शोधार्थी जुटे

[नयी दिल्ली/ जेनेवा – एम्बार्गो : मंगलवार 3 जुलाई 2018]

अध्ययन का उद्देश्य नये उपचार के विकास के लिए मार्गदर्शन करना व नवजात शिशुओं की मृत्युओं की वैश्विक वृद्धि को उलटना है

ग्यारह देशों के 80 से भी अधिक शोधार्थी नयी दिल्ली में नवजात शिशुओं में सेप्सिस व एंटीबायोटिक निर्देशित करने के मौजूदा तरीकों को समझने के लिए मिल रहे हैं | ये शोध नवजात शिशुओं के लिए नये व बेहतर उपचार विकसित करने के लिए बने वैश्विक एंटीबायोटिक शोध व विकास साझेदारी (Global Antibiotic Research and Development Partnership- GARDP) के बड़े कार्यक्रम का हिस्सा है | अवलोकन अध्ययन का नेतृत्व करने के लिए GARDP को बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन की ओर से 2 मिलियन अमरीकी डॉलर के ज़रिये बांग्लादेश, भारत, केन्या, दक्षिण अफ्रीका व यूगांडा में अध्ययन के लिए साइट में सहयोग मिल रहा है |

हालाँकि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर बाल स्वास्थय में सार्थक प्रगति हुई है जिसमें 1990 से अभी तक बाल मृत्यु दर में 50 प्रतिशत की गिरावट शामिल है, फिर भी नवजात शिशुओं में ऐसी मृत्युओं की संख्या अब भी अस्वीकार्य रूप से बहुत अधिक है | पांच वर्ष तक के बच्चों में होने वाली कुल मृत्युओं में अब भी 44 प्रतिशत नवजात मृत्युएँ हैं[1] | ये सबसे बड़ी चिंता का विषय है कि नवजात शिशुओं में अनुमानित 214,000 मृत्युएँ दवा प्रतिरोधी संक्रमण के कारण हैं[2] |

GARDP का अवलोकन अध्ययन इसी वैश्विक चिंता के उत्तर में है | इस अध्ययन से उत्पन्न आंकड़ों के ज़रिये दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया/ जीवाणु संक्रमण से ग्रसित नवजात शिशुओं के लिए नए एंटीबायोटिक उपचारों को विकसित व प्रदान करने की GARDP की नवजात महत्वाकांक्षाओं को जानकारियाँ मिल सकेंगी | नवजात शिशुओं पर हुए सीमित शोध के फलस्वरूप इस कमज़ोर जनसँख्या में गंभीर व दवा प्रतिरोधी संक्रमण के उपयुक्त उपचार के लिए साक्ष्यों की कमी है |

GARDP की निदेशक डॉ मनिका बलासेग्रम ने जानकारी देते हुए कहा कि, “हम बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन की प्रतिबद्धता के लिए उनके आभारी हैं | नवजात शिशु मृत्युओं को कम करने के सतत विकास के लक्ष्य (Sustainable Development Goal) को पाने में एंटी बैक्टीरियल प्रतिरोध सबसे बड़ी बाधा है” | उन्होंने आगे कहा कि, “मुझे ख़ासतौर से इस बात की ख़ुशी है कि स्वास्थय एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की माननीय राज्यमंत्री सुश्री अनुप्रिया पटेल आज इस कार्यक्रम में हमारे साथ हैं जब हम अपने वैश्विक अवलोकन अध्ययन की शुरुआत इस कार्यक्रम के ज़रिये कर रहे हैं जिसकी सह मेज़बानी इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च व विश्व स्वास्थय संगठन द्वारा की गयी है |”

सेप्सिस, जो कि शरीर की संक्रमण की ओर प्रतिक्रिया है, जीवनघाती हो सकती है | नवजात शिशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता का सम्पूर्ण विकास न होने के कारण ये ख़ासतौर से उनके लिए ख़तरा है | मौजूदा उपचार के लिए प्रतिरोधी बैक्टीरिया की बढ़ती दरों की वैश्विक स्तर पर रिपोर्ट की गई है जिसके अनुसार अस्पताल में भर्ती नवजात व बच्चों में दवा प्रतिरोधी अस्पताल जनित संक्रमण होने के खतरे अधिक हैं | सेप्सिस के प्रति शिशुओं के संवेदनशील होने के साथ अन्य चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं जिनमें गंभीर बैक्टीरियल संक्रमण का निदान किया जाना हैं | स्पष्ट लक्षण व संकेत न होने के कारण इनकी पहचान होने में मुश्किल होती है जिसके कारण ये चुनौती बन जाते हैं |

संपादक के लिए नोट्स:

अवलोकन अध्ययन के बारे में

अवलोकन अध्ययन बांग्लादेश, ब्राज़ील, चीन, मिस्र, भारत, इटली, केन्या, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड, वियतनाम व यूगांडा के अस्पतालों/ नवजात इकाइयों में किया जा रहा है | अध्ययन का उद्देश्य महत्वपूर्ण/ चिकित्सकीय सेप्सिस से ग्रसित बच्चों के बारे में चिकित्सकीय जानकारी जुटाना है |

ये अध्ययन नवजात बच्चों में सेप्सिस प्रबंधन पर ठोस साक्ष्य बनाएगा जिसका इस्तेमाल भविष्य में नवजात शिशुओं में किये जाने वाले हस्तक्षेपों के मूल्यांकन के आधार की तरह किया जा सकेगा | अध्ययन में परिणामस्वरूप मृत्यु, एंटीबायोटिक के इस्तेमाल व एंटीमाइक्रोबियल थेरेपी की अवधि के बारे में पता चल सकेगा | वर्तमान में इन मापदंडों के बारे में सीमित आंकड़े ही उपलब्ध हैं |

GARDP के बारे में

GARDP एक गैर लाभकारी शोध व बिकास संस्था है जो नए व बेहतर एंटीबायोटिक उपचार विकसित व प्रदान कर वैश्विक सर्वनाजिक स्वास्थय की आवश्यकताओं को संबोधित करती है व साथ ही अपनी पहुँच को सतत बनाये रखना भी सुनिश्चित करती है | विश्व स्वास्थय संगठन व ड्रग्स फ़ॉर नेग्लेक्टेड डिजीज इनिशिएटिव (DND*i*) द्वारा शुरू किया गया GARDP विश्व स्वास्थय संगठन के अन्तिमिक्रोबिअल प्रतिरोध के वैश्विक एक्शन प्लान का महत्वपूर्ण अंग है जो नयी सार्वजनिक व निजी साझेदारी की मांग करता है जो शोध, नए अन्तिमिक्रोबिअल एजेंट व निदानों को विकसित करे | GARDP को डीएनडीआई द्वारा आकार दिया गया है जो वर्तमान में GARDP का शासन/ नियंत्रण मुहैया कराता है | www.gardp.org

नवजात सेप्सिस कार्यक्रम के ज़रिये GARDP का उद्देश्य नयी, बेहतर उपचार प्रणाली विकसित करना है जो नवजात सेप्सिस का दवा प्रतिरोधक के अधिक प्रचलन व बड़े पैमाने पर दवा प्रतिरोधक रोगजनक (पैथोजन) के परिप्रेक्ष्य में प्रबंधन कर सके |

संपर्क

सुसान फ्रेड
सीनियर कम्युनिकेशन मैनेजर
sfrade@dndi.org
टेलीफ़ोन: +41 22 907 76 28
मोबाइल: +41 79 640 00 99

मनीषा शर्मा
रीजनल कम्युनिकेशन मैनेजर
msharma@dndi.org
टेलीफोन : +91 11 45501795 Extn 105
मोबाइल : +91 9711009088

सन्दर्भ

[1] Liu L, Oza S, Hogan D, et al. Global, regional, and national causes of child mortality in 2000–13, with projections to inform post-2015 priorities: an updated systematic analysis. *Lancet* 2015; 385: 430–40.

[2] Laxminarayan R, Matsoso P, Pant S, Brower C, Røttingen J, Klugman K, et al. Antimicrobials: access and sustainable eff ectiveness 1 Access to effective antimicrobials: a worldwide challenge. 2016;387.